झारखंड

1. मंत्रालय ने उत्कृष्टधता के बेंचमार्क के तौर पर प्रत्येनक ब्लॉथक में एक स्कूजल की दर से 6,000 मॉडल स्कू ल स्थाटपित करने का निर्णय लिया है। इनमें से 3,500 स्कूकलों की स्थांपना राज्य्/संघ राज्य् सरकारों के माध्यनम से शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉ5कों (ईबीबी) में की जाएगी और 2500 स्कूयलों की स्थातपना शैक्षिक तौर पर गैर-पिछड़े ब्लॉछकों में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) प्रणाली के अंतर्गत की जाएगी। राज्यछ/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यनम से शैक्षिक तौर पर पिछड़े ब्लॉकों की स्थातपना करने संबंधी संघटक वर्ष 2009-10 से संचालित किया जा रहा है।

2. इस स्कीयम के मुख्यज उद्देश्यर है

- प्रत्ये9कब्लॉकक में कम से कम अच्छीर गुणवत्ताक वाले एक वरिष्ठ माध्यरमिक स्कूपल का होना।
- इन स्कूोलों के लिए गति-निर्धारक भूमिका का निर्वहन करना।
- नवाचारी पाठ्यक्रम एवं शिक्षण का प्रयास करना।
- अवसंरचना, पाठ्यक्रम, मूल्यांयकन एवं स्कू ल अभिशासन में आदर्श स्थाॉपित करना।

3. **झारखंड राज्यक के संबंध में ब्लॉकक विवरण**

ब्लॉ।ककी कुल संख्या	259
शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉ्कों की संख्याक	203
शैक्षिक रूप से गैर-पिछड़े ब्लॉीकों की संख्या	56
अनुमोदित स्कूसलों की संख्याब (प्रत्ये्क शैक्षिक रूप स पिछड़े ब्लॉखक में एक की दर से)	164
कार्यरत स्कूमलों की संख्याब	89

4. कार्यान्व्यन की स्थिति:

(i) अनुमोदित मॉडल स्कू ल

वर्ष	अनुमोदित स्कू लों की संख्यात
2011-12	40
2013-14	49
2014-15	75
कुल	**164**

(ii) अनुवर्ती अनुदान - जारी:

वर्ष	जारी की गई राशि (करोड़ रू. में)
2011-12	46.43
कुल	**46.43**

(iii) कार्यात्मिक मॉडल स्कू ल

वर्ष	कार्यात्मनकस्कूॉलों की संख्याो
2011-12	40
2013-14	49
कुल	**89**

(iv) आवर्ती अनुदान - जारी:

वर्ष	जारी की गई राशि (करोड़ रू. में)
2011-12	2.48
2013-14	1.70
कुल	**4.18**

*****